उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड

(उ0प्र0 सरकार का उपक्रम)

U.P. Power Transmission Corporation Limited

(U.P. Government Undertaking)

CIN:U40101UP2004SGC028687	GSTN: 09AAACU8823E1Z9

कारपोरेट टैक्स (जी0एस0टी0 सेल) Corporate Tax (GST Cell)

कक्ष संख्या–320,तृतीय तल, शक्ति भवन, 14–अशोक मार्ग, लखनऊ–226001, ई–मेल - dgmtaxuppcl@gmail.com

Room No.– 320 IIIrd Floor, Shakti Bhawan, 14-Ashok Marg, Lucknow-226001, RAX – 8320,

दिशा–निर्देश सं0: /का0टैक्स एवं जी0एस0टी0 / 2020 / दिनांक / / 2020

समस्त आहरण एवं वितरण अधिकारी
उ0 प्र0 पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लि0।

मुख्य अभियन्ता (डी0 एण्ड पी0) / 765 केवी / सी0
एण्ड सी0 / सी0एम0यू0डी0 जानपद (i) / (ii) पारेषण मध्य / पश्चिम
दक्षिण–पूर्व / उत्तर–पूर्व / दक्षिण–पश्चिम / दक्षिण–मध्य
उ0प्र0 पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लि0
लखनऊ / मेरठ / प्रयागराज / गोरखपुर / आगरा / झांसी।

केन्द्रीय माल एवं सेवा कर अधिनियम–2017 के संशोधित प्रावधानों के अन्तर्गत **दिनांक 01.10.2020** से **E-INVOICE** सम्बन्धी प्रावधान लागू हो रहें है, जिसके अन्तर्गत निगम अधीन इकाईयों द्वारा जारी किये जाने वाले Business to Business (B2B) Tax Invoice, Debit Note एवं Credit Note की सूचना सरकार के E-Invoicing Portal (https://einvoice1.gst.gov.in) पर अनिवार्यता अपलोड की जानी है, सूचनाऐं सफलतापूर्वक अपलोड होते ही E-Invoicing Portal पर Invoice Reference Number (IRN), Ack. No. व QR Code सहित E-Invoice जनित (Generate) होगा। बिना E-Invoice जनित किये इकाईयों द्वारा निर्गत किये गये Business to Business (B2B) Tax Invoice, Debit Note एवं Credit Note विधि मान्य नहीं होंगे।

उक्त प्रावधानों का शत–प्रतिशत अनुपालन निगमाधीन समस्त इकाईयों द्वारा सुनिश्चित किया जाये। इस सम्बन्ध में एतद्द्वारा अग्रिम आदेशों तक निम्नवत् व्यवस्था / प्रक्रिया निर्धारित की जाती है:–

इकाईयों के लिए चरणबद्ध कार्य–प्रक्रिया

> **Step-1:** इकाई द्वारा B2B Tax Invoice, Debit Note एवं Credit Note पूर्व की भाँति मुख्यालय स्थित जी0एस0टी0 सेल द्वारा प्रदान की गयी Excel Utility पर बनाये जायेंगे।

> **Step-2:** उपरोक्तानुसार इकाई द्वारा जनित किये गयें B2B Tax Invoice/Debit Note/Credit Note के आधार पर ही सरकार के E-Invoicing Portal (https://einvoice1.gst.gov.in) पर Login करके Business to Business (B2B) Tax Invoice, Debit Note एवं Credit Note की सूचना e-invoice Portal द्वारा उपलब्ध करायी गयी पृथक Excel Utility के माध्यम से upload करनी होगी।

> **Step-3:** उपरोक्तानुसार इकाई द्वारा जनित Tax Invoice एवं E-Invoicing Portal से जनित E-Invoice उपभोक्ता/फर्म को उपलब्ध करायी जायेगी।

विशेष ध्यान देने योग्य बिन्दु :–

1. इस सम्बन्ध में प्रबन्ध निदेशक, उ0प्र0 पावर कारपोरेशन लि0 के पत्र सं0–393 / का0 टैक्स एवं जी0एस0टी0 / 2020 दिनांक 17.09.2020 एवं कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी संलग्न कर प्रेषित की जा रही है।

2. उपरोक्त प्रावधान केवल जी0एस0टी0 में पंजीकृत उपभोक्ता/फर्म को निर्गत किये जाने वाले Business to Business (B2B) Tax Invoice, Debit Note एवं Credit Note पर लागू है, अर्थात् ऐसे उपभोक्ता/फर्म जोकि जी0एस0टी0 में पंजीकृत नहीं है (अर्थात् B2C Tax Invoice), के सम्बन्ध में E-Invoicing सम्बन्धी प्रावधान लागू नहीं है।

3. कतिपय प्रकरणों में पाया गया हैं कि इकाईयों द्वारा उपभोक्ता/फर्म से उनके GSTIN प्राप्त नहीं किये जाते है अथवा उपभोक्ताओं द्वारा उस समय उपलब्ध नहीं कराये जाते हैं जिस कारण से Tax Invoice बिना GSTIN अंकित करे निर्गत कर दिये जाते है एवं उनको अपंजीकृत उपभोक्ता/फर्म मानते हुए सूचनाऐं निगम मुख्यालय को प्रेषित कर दी जाती है जिसके आधार पर जी0एस0टी0 प्रकोष्ठ द्वारा GSTR-1 दाखिल कर दिया जाता है, परन्तु बाद में कुछ उपभोक्ताओं द्वारा GSTIN की जानकारी सम्बन्धित खण्ड द्वारा उपलब्ध करायी जाती है जिस कारण से अगले माह की मासिक विवरणी में संशोधन करने पड़ते है, परिणामस्वरूप असहज व प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है।

अतः इकाईयों द्वारा सभी (B2B/B2C) Tax Invoice निर्गत करने से पूर्व ही यह सुनिश्चित किया जाये कि सम्बन्धित उपभोक्ता/आवेदक/फर्म जी0एस0टी0 में पंजीकृत है अथवा नहीं, यदि वह पंजीकृत है, तो उनके जी0एस0टी0 रजिस्ट्रेशन नं0 (GSTIN) के लिये उनसे जी0एस0टी0 सर्टिफिकेट की स्पष्ट छायाप्रति अनिवार्यतः प्राप्त की जायें। यदि वह पंजीकृत नहीं है, तो इसकी पुष्टि उनसे सुनिश्चित की जाये।

4. E-Invoice जनित किये जाने हेतु सभी इकाईयों की लॉगिन आईडी E-Invoicing Portal (https://einvoice1.gst.gov.in) पर मुख्यालय स्थित जी0एस0टी0 प्रकोष्ठ द्वारा उपलब्ध करायी जायेगी। जिसके लिए इकाई द्वारा मुख्यालय स्थित जी0एस0टी0 सेल की E-mail Id: dgmtaxuppcl@gmail.com पर निम्नलिखित सूचना उपलब्ध करानी होगी:–

   (a)   Unit Name
   (b)   Location Code
   (c)   E-mail ID
   (d)   Phone Number (Mobile)
   (e)   Address of Unit

5. लॉगिन आईडी जनित होने के पश्चात्, E-Invoicing Portal द्वारा पासवर्ड का संदेश (SMS) के माध्यम से उपरोक्त सूचित मोबाईल नंबर पर सीधे प्रेषित किया जाता है।

6. इकाई द्वारा यह सुनिश्चित किया जाये कि E-Invoicing Portal पर E-Invoice जनित करते समय महत्वपूर्ण सूचनाऐं जैसे– Document Number, Document Date, Place of Supply, Taxable Value, GST Rate, CGST/SGST/IGST Amount, Invoice Value, HSN Code, Buyer's GSTIN, Document Type, इत्यादि, भलि भाँति जाँचने के उपरांत ही भरी जायें। **क्योंकि E-Invoicing Portal पर जनित किये गये E-Invoice को केवल 24 घण्टों के अन्दर ही रद्द किया जा सकता है।**

   नोटः– यहाँ Document Number का तात्पर्य Tax Invoice Number से है एवं Document Date का तात्पर्य Tax Invoice Date से है   जोकि इकाई द्वारा Step-1 में बनाया गया है।

7. इकाई द्वारा E-Invoicing Portal पर जनित किये गये E-Invoice के विवरण एवं माह के अन्त में प्रस्तुत किये गये GSTR-1 & 3B की विवरणी में दाखिल किये गये Business to Business (B2B) Tax Invoice, Debit Note एवं Credit Note के विवरण, में अन्तर पाये जाने की दशा में E-Invoicing Portal पर जनित किये गये E-Invoice को अन्तिम रूप से मान्य करते हुये जी0एस0टी0 प्रकोष्ठ द्वारा अग्रिम कार्यवाही की जायें।

8. इस सम्बन्ध में इकाई द्वारा की गयी किसी भी प्रकार की अनिमियतता के कारण निगम/इकाई पर उत्पन्न आर्थिक दण्ड, ब्याज, अभियोजन के लिए सम्बन्धित इकाई के आहरण एवं वितरण अधिकारी सीधे तौर पर उत्तरदायी होंगे।

9. उपरोक्त के अतिरिक्त पूर्व में निर्गत किये गये **आदेश/प्रक्रिया/समय–सारणी यथावत लागू रहेंगें।**

कृपया उपरोक्तानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करायें।

(ए0 के0 गुप्ता)
अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा)

दिशा–निर्देश सं0: 21 /का0टैक्स एवं जी0एस0टी0/2020   तद्दिनांक ३०\०९\२०२०

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित

1. प्रबन्ध निदेशक, उ0 प्र0 पावर ट्रान्समिशन कारपोरेशन लि0, शक्ति भवन लखनऊ के निजी सचिव।

2. निदेशक (का0प्र0 एवं प्रशा0)/वित्त/आपरेशन/कार्य एवं परि0/एस0एल0डी0सी/वाणिज्य एवं नियोजन उ0 प्र0 पावर ट्रान्समिशन कारपोरेशन लि0, शक्ति भवन/ गोमती नगर, लखनऊ के निजी सचिव।

3. उप महाप्रबन्धक (लेखा), परिक्षेत्रीय लेखा कार्यालय, पारेषण मध्य/पश्चिम/दक्षिण–पूर्व/उत्तर–पूर्व/ दक्षिण–पश्चिम/दक्षिण मध्य, लखनऊ/मेरठ/प्रयागराज/गोरखपुर/ आगरा/झांसी।

4. उप महाप्रबन्धक (निधि)/मुख्यालय वित्त एवं भुगतान इकाई (पारेषण मुख्यालय), उ0 प्र0 पावर ट्रान्समिशन कारपोरेशन लि0, शक्ति भवन लखनऊ।

5. अधिशासी अभियन्ता, सम्बद्ध निदेशक (ऑपरेशन), उ0प्र0 पावर ट्रान्समिशन कारपोरेशन लि0, 11वां तल शक्ति भवन विस्तार, को वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु।

संलग्नकः–यथोपरोक्त

(ए0 के0 गुप्ता)
अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा)

How to fill Excel utility for generation of E-invoices – Standard operating Procedure

1. For generation of E-invoice on the basis of excel utility, one has to download **Format B** from bulk generation tool from https://www.einvoice1.gst.gov.in.

2. Downloaded Excel utility consist of many sheets, however only following three sheets are relevant for generation of e-invoice, others sheets are for educational purpose –
   a) Profile
   b) eInvoice
   c) Items

Numbers or error messages, if any. Now, he can cut and p; understand how to prepare the e-invoice requests.
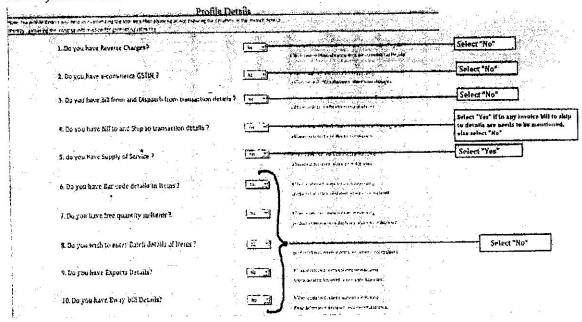

Now let's discuss, each sheet one by one-

3. "Profile" sheet contains 2 parts, namely 1) Seller GSTIN Details 2) Profile details.

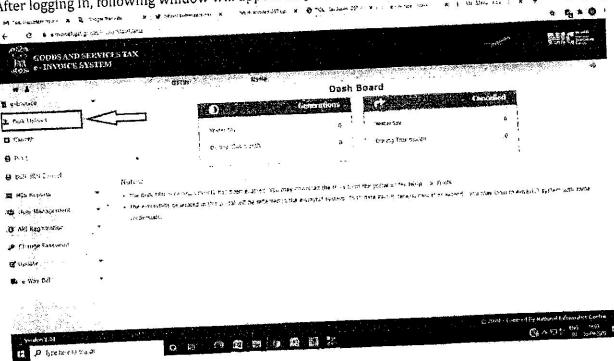Part-1) Seller GSTIN Details can be filled as under-

Part-2) Profile details can be filled as under-

Profile Details

1. Do you have Reverse Charges?		Select "No"
2. Do you have e-commerce GSTIN?		Select "No"
3. Do you have Bill from and Dispatch from transaction details?		Select "No"
4. Do you have Bill to and Ship to transaction details?		Select "Yes" if in any invoice bill to ship to details are needs to be mentioned, else select "No"
5. do you have Supply of Service?		Select "Yes"
6. Do you have Bar code details in Items?		
7. Do you have free quantity in items?		
8. Do you wish to enter Batch details of Items?		Select "No"
9. Do you have Exports Details?		
10. Do you have E-way bill Details?		

4. Other two sheets namely "einvoice" and "items" contains invoice data and hence shall be filed simultaneously. Sheet "einvoice" shall consist all the particulars related to invoice like, Invoice Number, Invoice Date, Buyer's name, buyer's GSTIN, Taxable Amount and Invoice Amount etc. Whereas other sheet namely "Items" shall consist of details of goods/services sold like HSN code, Description, UQC, Taxable Value, GST Rate etc.

5. After filling all the details in the excel utility, press "Validate" button available in "eInvoice" sheet to validate the data. After successful validation of data, press "Prepare JSON" available next to "Validate" Button to generate JSON file. After successful generation of JSON file, we have to upload it to einvoice portal to Generate E-invoice.

6. Login credential shall be provided by GST Cell, Shakti Bhawan, Lucknow. For getting login and password, unit has to submit the following details through mail on email-id : dgmtaxuppcl@gmail.com -

   a) Location code of Unit
   b) Name of Unit
   c) Address of unit
   d) Mobile Number
   e) E-mail ID

7. Password will be sent on mobile number furnished above.

8. After logging in, following window will appear on your screen-

9. Click on bulk upload as shown in above picture.

10. Under Bulk upload tab, upload the JSON file as generated in previous step.

11. After successful uploading of JSON file, print E-invoice from the print option (available below Bulk upload option) to generate e-invoice.

उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड

(उ0प्र0 सरकार का उपक्रम)

U.P. Power Corporation Limited

(U.P. Government Undertaking)

CIN: U32201UP1999SGC024928	GSTN: 09AAACU5088M4ZM

कारपोरेट टैक्स (जी.एस.टी. सेल) Corporate Tax (GST Cell)

कक्ष संख्या– 320,तृतीय तल, शक्ति भवन, 14–अशोक मार्ग, लखनऊ–226001, ई–मेल - dgmtaxuppcl@gmail.com
Room No.– 320 IIIrd Floor, Shakti Bhawan, 14-Ashok Marg, Lucknow-226001, RAX – 8320,

पत्र सं0: /का0 टैक्स एवं जी0एस0टी0 / 2020 /   दिनांक: १७ /०९ /2020

निदेशक (वाणिज्य) / (वितरण) / (कारपोरेट प्लानिंग)
उ0प्र0 पावर कारपोरेशन लि0
शक्ति भवन, लखनऊ।

ई0—मेल द्वारा

विषय: दिनांक 01.10.2020 से GST e-Invoicing प्रावधान लागू होने के सम्बन्ध में।

महोदय,

अवगत कराना है कि दिनांक 01.10.2020 से GST e-Invoicing प्रावधान लागू हो रहे है, ये प्रावधान ऐसे प्रतिष्ठानों पर लागू है जिनका टर्नओवर पिछले वित्तीय वर्ष में रू0 500.00 करोड़ से अधिक है। e-Invoicing प्रावधानों के अनुसार Business to Business (B2B) Tax Invoice, Debit Note एवं Credit Note की सूचना e-Invoicing Portal पर upload करनी होगी, जिसके उपरान्त e-Invoicing Portal पर Invoice Reference Number (IRN) एवं QR Code उत्पन्न होगा, जिसको Tax Invoice पर अंकित करने के उपरान्त ही Tax Invoice मान्य होगी। अर्थात e-Invoice Portal पर अपलोड करे बिना Tax Invoice अमान्य होगी। e-Invoicing के सम्बन्ध में विस्तृत विवरण संलग्न है।

कृपया उपरोक्तानुसार अपने कार्यक्षेत्र में e-Invoicing संबंधित प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करायें।

भवदीय,

(एम0 देवराज)
प्रबन्ध निदेशक

पत्रांक ३९३ /का0टैक्स एवं जी0एस0टी0 / 2020   तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1. प्रबन्ध निदेशक, मध्यांचल / पूर्वांचल / पश्चिमांचल / दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम केस्को / लखनऊ / वाराणसी / मेरठ / आगरा / कानपुर।
2. निदेशक (वित्त) / (वाणिज्य) / (तकनीकी), मध्यांचल / पूर्वांचल / पश्चिमांचल / दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लि0 / केस्को / लखनऊ / वाराणसी / मेरठ / आगरा / कानपुर।
3. उप महाप्रबन्धक (लेखा प्रशासन / कारपोरेट लेखा) उ0 प्र0 पावर कारपोरेशन लि0, शक्ति भवन लखनऊ।
4. उप महाप्रबन्धक (सामग्री प्रबन्ध), परिक्षेत्रीय लेखा कार्यालय, महानगर लखनऊ को इस अनुरोध के साथ के अपने अधीनस्थ इकाईयों को तदनुसार सूचित करने की कृपा करें।
5. अधीक्षण अभियन्ता, आर0ए0पी0डी0आर0पी0, पार्ट–ए, उ0 प्र0 पावर कारपोरेशन लि0, शक्ति भवन विस्तार, लखनऊ को इस आशय के साथ प्रेषित कि e-Invoice सम्बन्धित व्यवस्था को ERP, बिलिंग सॉफ्टवेयर इत्यादि में एकीकृत कर e-Invoice सम्बन्धित नियमों का अनुपालन सुनिश्चित कराये।
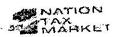6. अधिशासी अभियन्ता, वेबसाइट, उ0प्र0 पावर कारपोरेशन लि0, रूम नं0 409, चतुर्थ तल शक्ति भवन को वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु।

(एम0 देवराज)
प्रबन्ध निदेशक

PCL.|8

Welcome to the tax payers of GST to the e-invoice system. As per the GST Council direction, National Informatics Centre (NIC) has built the e-invoice system as per the latest e-invoice (IRN) schema published on the GSTN portal. As per the notification of GST (Notfn No. 61 dtd: 30th July, 2020), this system has been enabled for the taxpayers with PAN based turnover more than Rs 500 Crores, during financial year 2019-20.

The notified tax payers have to generate the IRN for the supplies/sales. That is, the IRN has to be generated for the documents of Invoices, Debit Notes and Credit Notes for the local, interstate and export transactions. The tax payer has to upload the complete invoice details, prepared manually or through internal ERP/accounting system, as per the format, and after due validations of the data, the system returns the IRN with the signed invoice and QR code back to the tax payer. The IRN, ACK No, Date and QR code has to be printed by the tax payer on the invoice being issued to the buyer. It may be noted that the IRN can be generated by the supplier only and not by buyer or transporter.

There is a facility to the user to cancel the IRN, If active e way bill is not there. That is, the e-way bill is not generated or the e-way bill generated and later cancelled, then the user is allowed to cancel the IRN.

The tax payer can also see the features like rules, notifications, help, manuals, Audio-Video materials, FAQs, etc. on the e-invoice portal.

The tax payer can come to know his eligibility for generation IRN by going to the e-invoice portal and selecting 'e-invoice status of Tax Payer' under Search option. On entry of the GSTIN, the system will indicate whether this GSTIN is enabled/notified for the IRN generation.
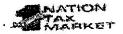
The tax payer can also know the list of registered GSPs (GST Suvidha Providers), who have enrolled to provide the e-invoice services to the tax payers. This option available as 'GST Suvidha Providers (GSP) under search option.

One can upload the IRN generated and signed invoice file and get it verified on the portal for the authenticity of the IRN. For this option, select 'Verify Signed Invoice' under Search option.

There is a facility to login to the e-invoice system. Single Sign On system has been used to login to the e-way bill and e-invoice systems. That is, if the tax payer has the username and password created on the e-way bill system, then same can be used to login to this system.

If the tax payer has not registered in the e-way bill system, he can use the registration facility and register for the e-invoice system. Then system enables him automatically for both the e-way bill and e-invoice systems.

1

Presently, e-Invoice System provides the two modes of IRN generation – Offline and API. The following table provide the different methods involved in IRN generation based on the turnover of the tax payers. The notified tax payers can use these modes for the generation of IRN. The tax payers can also generate the e-way bill along with the IRN in one go or generate IRN and the e-way bill later based on the IRN. On generation of IRN, the system returns the signed invoice in the JSON format with the QR code, which can be used to preserve and share with the buyers, if required. Please refer to the Annexure for the sample copy of the invoice along-with QR code on it.

There is an option in the website to download a Mobile App (for Android and iOS) which may be used to verify the authenticity of the QR code and the contents printed on the Invoice. This app' may be used by any taxpayers or any external agencies like banks and other financial institutions for verifying the invoice.

The tax payer can also know his/her sister concerns, generating the IRNs and e-way bills using API, after logging into the portal. This helps him to tie up with his/her sister concerns for integration of API mode.

Before integration with the API on production system, the tax payer needs to do the testing of API integration on the sand-box system (https://einv-apisandbox.nic.in). In the sandbox system, the notified tax payer can register and understand the process of IRN integration and test the integration with his/her own system. The following procedures explain how to on-board on production system for API integration after completion of testing on sandbox.

The Tax payers having PAN based turnover more than Rs 500 Crores can use any of the following methods for IRN generation

- Offline tool - Upload the invoices in standard format and generate the IRN in one go
- API - Through GSPs integration - System-to-system integration using APIs through registered GSPs
- API – Direct integration - System-to-System integration using API directly from Tax Payers system
- API - Through enabled sister concerned GSTIN - System-to-System integration using API through the sister company of the Tax payers having same PAN. If it has been enabled for API.
- E-Way Bill API enabled Tax Payers - System-to-System integration using API for already E-Way Bill enabled Tax Payers

Detailed Procedures

1. Using Offline Tool
   - Please go to the https://einvoice1.gst.gov.in portal and see the procedure for the preparation of the bulk upload request for IRNs at Help → Tools → Bulk Generation tools.
   - Once you have prepared the bulk upload request file with the invoices, please login at the https://einvoice1.gst.gov.in portal. If you have registered in the e-way bill portal (https://ewaybill.gst.gov.in), then you can use the login credentials (username

and password) of the e-way bill system to login to the e-invoice portal. If you have not registered in the e-way bill portal, then you can register in the e-invoice portal at option Registration.

- On logging into the e-invoice portal, select the e-invoice option and Bulk IRN option.
- Now, upload your request file and generate the IRNs for your invoices.
- After generation, the system will also provide the mechanism to download the IRN form with all the details
- In case of any errors, the system shows the errors with the requested invoices. You can correct them and request once again.
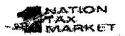
2. **Using GSPs (GST Suvidha Providers)**

- Before starting to work on this, you need to test the API integration with the identified GSP in sand-box environment (https://einv-apisandbox.nic.in/). After testing, GSP has to submit the test summary report, as per the format provided under 'On Boarding' at sandbox portal, to the email support.einv.api@gov.in. After verification of the test summary report, GSP will be provided the production API details.
- Please login at the https://einvoice1.gst.gov.in portal.
  If you have registered in the e-way bill portal (https://ewaybillgst.gov.in), then you can use the login credentials (username and password) of the e-way bill system to login to the e-invoice portal.
  If you have not registered in the e-way bill portal, then you can register in the e-invoice portal at option Registration.
- If you have registered with a GSP for E Way Bill and would like to continue with same GSP, no need to register for GSP again. Same credentials will work for e-Invoice
- If you have not registered for GSP earlier, on logging into the e-invoice portal, select the API registration and select Create API User. Select the GSP being used for generation of IRN and EWB and submit.
- Create API user, by entering username and password and preserve them with you.
- Use these credentials and generate the token and request for the IRN

3. **Using Direct Integration**

- Before starting to work on this, you need to test the API integration in sand-box environment (https://einv-apisandbox.nic.in). After testing, tax payer has to submit the test summary report, as per the format provided under 'On Boarding' at sandbox portal, to the email support.einv.api@gov.in. After verification of the test summary report, tax payer will be provided the production API details.
- Please login at the https://einvoice1.gst.gov.in portal.
  If you have registered in the e-way bill portal (https://ewaybillgst.gov.in), then you can use the login credentials (username and password) of the e-way bill system to login to the e-invoice portal.
  If you have not registered in the e-way bill portal, then you can register in the e-invoice portal at option Registration.
- If you have already integrated with API under e-Waybill system, then you can use the same API credentials for e-Invoice system

- If not, then select the option IP Whitelisting under API Registration. Enter the production IPs that need to be whitelisted and submit.
- The network team will scrutinize and whitelist the IP addresses.
- Next, select Create API User and enter your credentials. On registration you will receive Client-Id and Client-Secret.
- If your sister concern (having same PAN) has already registered for API and whitelisted IP, you can use the same Client Id credentials. You only need to register API User.

4. **Using API integration with sister concern GSTIN**
   - Before starting to work on this, you need to test the API integration in sand-box environment (https://einv-apisandbox.nic.in/). After testing, tax payer has to submit the test summary report, as per the format provided under 'On Boarding' at sandbox portal, to the email support.einv.api@gov.in. After verification of the test summary report, tax payer will be provided the production API details.
   - The public IP used by your company and sister concern should be same, when accessing the e-invoice and e-way bill production APIs.
   - Please login at the https://einvoice1.gst.gov.in portal.
     If you have registered in the e-way bill portal (https://ewaybillgst.gov.in), then you can use the login credentials (username and password) of the e-way bill system to login to the e-invoice portal.
     If you have not registered in the e-way bill portal, then you can register in the e-invoice portal at option Registration
   - If you have already integrated with API under e-Waybill system, then you can use the same API credentials for e-Invoice system
   - Otherwise, please log into the e-invoice portal, select the API registration and select Create API User. Select the sister concern GSTIN and submit.
   - Create API user, by entering username and password and preserve them with you.
   - Now, with your API user credentials and client-id credentials of the sister concern, you can connect and generate the IRN and EWB

5. **Using E-way Bill API credentials**
   - Before starting to work on e-invoice system, you need to test the API integration in sand-box environment (https://einv-apisandbox.nic.in/). After testing, tax payer has to submit the test summary report, as per the format provided under 'On Boarding' at sandbox portal, to the email support.einv.api@gov.in. After verification of the test summary report, tax payer will be provided the production API details.
   - If you have already integrated with API under e-Waybill system, then you can use the same API credentials for e-Invoice system. No other steps need to be followed.
   - Use the e-way bill purpose whitelisted IPs to access the e-invoice system.

For more details watch these videos

1	Introduction to e-Invoice System
2	IRN Generation using Bulk Tools
3	Process for API Registration

| 4 | e-Invoice API Sandbox System |

Annexure

SAMPLE E-INVOICE PRINT

Government of India
e-Invoice System